IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 5, June 2022
Impact Factor: 6.252

भारत में ब्रिटिशकालीन शिक्षा पद्धति के परिणाम एवं शैक्षिक विद्रोह का एक अध्ययन

Rajnish Prajapati[1] and Dr. Sudha Soni[2]
Research Scholar, Department of History[1]
Government Thakur Ranmat Singh College, Rewa, Madhya Pradesh, India[1]
Professor, Department of History[2]
Government Girls P. G. College, Rewa, Madhya Pradesh, India[2]

सारांश – ब्रिटिश शासन की व्यवस्थित शिक्षा नीति के कारण शिक्षित लोगों के बौद्धिक स्तर का व्यापक विकास हुआ। इस विकास ने भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन को एक आधार प्रदान किया। क्योंकि सशक्त नागरिक ही सशक्त राष्ट्र का नवनिर्माण कर सकते हैं। जिसने भारत को स्वाधीनता के उच्चासन पर विराजमान किया। शैक्षणिक संस्थाओं में पश्चिमी विचार और विज्ञान से जो भारतीय अवगत हुए उनमें वैज्ञानिक चेतना के साथ गौरवपूर्ण जीवन जीने की भावना का उदय हुआ। धार्मिक कट्टरता शिथिल हुई और देशी की आड़म्बर युक्त सीमाओं को लांघकर दुसरे देशों में शिक्षा ग्रहण करने जा सकें। ब्रिटिश शिक्षा के कारण ही जवाहर लाल नेहरू, मोहनदास करमचन्द्र गाँधी, सुभाष चन्द्र बोस, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जैसे विश्व ख्याति प्राप्त महापुरुषों का उदय हुआ।

मुख्य शब्द : ब्रिटिशकालीन, शिक्षा, पद्धति, परिणाम, शैक्षिक, विद्रोह आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

[1]. जौहरी एवं पाठक, भारतीय शिक्षा का इतिहास, विनोद पुस्तक मन्दिर अगरा, वर्ष 2009
[2]. Swami Viveananda : Lecture from Colombo toalmora, p.127
[3]. Harijan, July 31, 1937
[4]. All India National Education Conference
[5]. Hindustani Talimi Sangh : Educational Reconstruction. p.82
[6]. Zakir Husain Committee.
[7]. K.G. Saiyaidain in Year Book o Education (Evans Bros.) 1940.p.503